

Foodgrain Prices

540. { Shri Subodh Hansda:
Shri S. C. Samanta:
Shri Anjanappa:

Will the Minister Food and Agriculture be pleased to state:

(a) the names of the States who have used or are using the Defence of India Rules to stop profiteering in food;

(b) the reasons for the remaining States having not utilised Defence of India Rules in spite of abnormal rise in prices; and

(c) the nature of punishment given to those who were prosecuted under Defence of India Rules?

The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Shri A. M. Thomas): (a) The State of Asam, Andhra Pradesh, Bihar, Kerala, Madras, Madhya Pradesh, Maharashtra, Mysore, Orissa, Punjab, Uttar Pradesh, West Bengal and the Union territories of Goa, Delhi and Tripura have used the provisions of the Defence of India Rules to prevent profiteering in foodgrains or sugar or both.

(b) Some of the other States are taking action to issue orders under the Defence of India Rules. The rest think that the situation does not warrant recourse to Defence of India Rules as other laws are adequate to deal with the situation prevailing there.

(c) Sentences of imprisonment or fine or both were awarded by the courts according to the nature of the offence.

जापानी प्रदर्शन फार्म

५४१. श्री सरजू पाण्डेय : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री दिनांक ३ सितम्बर, १९६३ के तारांकित प्रश्न संख्या ४७१ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन-किन राज्यों में जापानी प्रदर्शन फार्म खोले गये हैं; और

(ख) इन फार्मों में क्या प्रगति हुई ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) चार जापानी प्रदर्शन फार्म बिहार, गुजरात, उड़ीसा और पश्चिमी बंगाल में खोले गये हैं ।

(ख) जून, १९६२ में जापानी विशेषज्ञों के भारत आने पर ये फार्म शुरु किये गये थे । खेतों को समतल करने और सिंचाई के लिए नहर बनाने आदि का काफी प्रारम्भिक काम करना था । इस के अलावा पहले में तो काम सचमुच ही प्रयोगात्मक ढंग का था, क्योंकि विशेषज्ञ धान की उन किस्मों को सुनिश्चित करना चाहते थे जोकि सघन खेती के लिए उपयुक्त हैं और साथ ही वे उन तरीकों को भी ढूँढ रहे थे जिन से कि स्थानीय परिस्थितियों में वे अपने तकनीक को अपना सकें ।

पहले वर्ष में फार्मों का कार्य यद्यपि असाधारण तो नहीं फिर भी काफी अच्छा रहा है । इन फार्मों में धान की विभिन्न किस्मों की औसत उपज २० से ४६ मन प्रति एकड़ हुई जोकि राज्यों के कृषि विभागों के सर्वोत्तम फार्मों की उपज के मुकाबले ज्यादा अच्छी है ।

आशा की जाती है कि पिछले साल के मुकाबले इस साल नतीजे ज्यादा अच्छे रहेंगे क्योंकि जापानी विशेषज्ञों को स्थानीय भूमि और जलवायु सम्बन्धी परिस्थितियों और सघन खेती के लिए उपयुक्त धान की किस्मों के बारे में काफी ज्ञान प्राप्त हो चुका है ।

चीनी उद्योग संबंधी समिति

५४२. { श्री सरजू पाण्डेय :
श्री विभूति मिश्र :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री दिनांक ३ सितम्बर, १९६३ के तारांकित प्रश्न संख्या ४६० के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विशेषज्ञों की जो कमेटी चीनी उद्योग में अलाभप्रद मिलों की समस्याओं का अध्ययन करने के लिये नियुक्त की गई थी क्या उसने अपनी रिपोर्ट दे दी है; और